पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस और सांस्कृतिक संध्या समारोह को सम्बोधित किया

पद्म पुरस्कारों से अलंकृत विभूतियों एवं आकाशवाणी लखनऊ से जुड़े वरिष्ठ प्रसारकों को सम्मानित किया

आकाशवाणी समाज को जोड़ने तथा भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम : मुख्यमंत्री

आकाशवाणी लखनऊ ने अपनी 88 वर्षों की शानदार यात्रा में संवाद की ताकत को बढ़ाने का कार्य किया

आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम 'देश प्रथम' की भावना की अभिव्यक्ति

'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी निरन्तर देश के अलग–अलग क्षेत्रों में हो रही विशिष्ट घटनाओं, विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में हमारी भूमिका तथा समाज को आगे बढ़ाने में हमारे योगदान के विषय में प्रेरित करते

आकाशवाणी से प्रसारित समाचारों में गुणवत्ता, भाषा की शुद्धता और सच्चाई झलकती

आकाशवाणी के कार्यक्रम मनोरंजन, ज्ञानवर्धन, लोक कला के सशक्तीकरण के मंच

आकाशवाणी 'आवाज से आगे बढ़कर जन विश्वास' का माध्यम

आकाशवाणी लखनऊ और प्रसार भारती ने अपनी नींव के पत्थरों का स्मरण किया, इसके लिए वह बधाई के पात्र

लखनऊ : 02 अप्रैल, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आकाशवाणी समाज को जोड़ने तथा भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम है। आकाशवाणी से प्रसारित समाचारों में गुणवत्ता, भाषा की शुद्धता और सच्चाई झलकती है। आकाशवाणी ने जो जैसा है, उसे वैसा प्रस्तुत करने का साहस दिखाया है। आकाशवाणी ने भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली और कुमांऊनी जैसी भाषाओं व बोलियों के माध्यम से स्थानीय लोगों को जोड़ने का कार्य किया है तथा बोलियों को लोकप्रिय बनाया है। आकाशवाणी के कार्यक्रम मनोरंजन के साथ ही, ज्ञानवर्धन और लोक कला के सशक्तीकरण के मंच भी रहे हैं। आकाशवाणी 'आवाज से आगे बढ़कर जन विश्वास' का माध्यम बना है। इसे हमने पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते हुए देखा है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस और सांस्कृतिक संध्या समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने पद्म पुरस्कारों से अलंकृत विभूतियों एवं आकाशवाणी लखनऊ से जुड़े वरिष्ठ प्रसारकों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तत्कालीन संयुक्त प्रान्त के प्रीमियर पं0 गोविन्द बल्लभ पन्त के कर–कमलों से आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र का शुभारम्भ 02 अप्रैल, 1938 को हुआ था।

आकाशवाणी लखनऊ से बजी पहली धुन वन्दे मातरम् थी। इस केन्द्र ने अपनी 88 वर्षों की शानदार यात्रा में संवाद की ताकत को बढ़ाने का कार्य किया है। गाँव हो या शहर जहाँ पहले कोई नहीं पहुँच पाता था, उस जगह आकाशवाणी की पहुँच थी। 'भरत चले चित्रकूट' के साथ आकाशवाणी के प्रातःकालीन कार्यक्रमों की शुरुआत होती थी। लगभग हर घर में इसे लोग सुनते थे।

देश और दुनिया की घटनाओं के सम्बन्ध में पहली हेडलाइन की जानकारी हमें आकाशवाणी के माध्यम से अलग–अलग समय में प्रसारित होने वाली बुलेटिन से प्राप्त होती थी। इसमें पीत पत्रकारिता की झलक नहीं मिलती थी। लखनऊ, आकाशवाणी का एक मुख्य केन्द्र था। इसके साथ ही दो अन्य केन्द्रों–नजीबाबाद और गोरखपुर केन्द्रों से हमें समाचार सुनने को मिलते थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आकाशवाणी देश की आजादी की लड़ाई को आगे बढ़ाने का एक मंच बना था। इसके साथ ही, कलाकारों, साहित्यकारों, किसानों, युवाओं, हस्तशिल्पियों सहित अलग–अलग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे। आकाशवाणी के कार्यक्रम लोगों को प्रेरित करते थे और लोग इसमें रुचि लेते थे। स्थानीय बोलियों के अनुरूप कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे। किसान दर्शन कार्यक्रम को हमारे किसान रेडियो पर सुनते थे। आकाशवाणी ने लोक वाद्यों को भी प्रोत्साहित किया। लोग अपने लोक वाद्यों के साथ आकाशवाणी के केन्द्रों में जाकर अपनी प्रस्तुति देते थे। इसके माध्यम से देश को इन लोक वाद्यों की जानकारी होती थी। आकाशवाणी इन कलाकारों के लिए एक प्लेटफॉर्म था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज हम आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हैं। प्रधानमंत्री जी ने 'मन की बात' कार्यक्रम 03 अक्टूबर, 2014 से प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम के 132 एपिसोड पूरे हो चुके हैं। यह प्रधानमंत्री जी के 'देश प्रथम' की भावना की अभिव्यक्ति है। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री जी निरन्तर देश के अलग–अलग क्षेत्रों में हो रही विशिष्ट घटनाओं, विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में हमारी भूमिका तथा समाज को आगे बढ़ाने में हमारे योगदान के विषय में प्रेरित करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के लिए अच्छा योगदान करने वाले लोगों का प्रोत्साहन करते हैं तथा सम्पूर्ण देशवासियों को इससे अवगत भी कराते हैं। यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सम्मान है। प्रधानमंत्री जी पहले एपिसोड से ही ऐसे 05 से 07 लोगों के कार्यों की सराहना करते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आकाशवाणी स्वतंत्रता से जुड़े अनेक आन्दोलनों व घटनाओं का साक्षी भी रहा है। भारत छोड़ो आन्दोलन, देश के विभाजन की त्रासदी, देश की आजादी, संविधान को अंगीकार करने व उसे लागू करने तथा देश में पहली चुनी गयी सरकार के गठन की प्रक्रिया से आकाशवाणी गहराई से जुड़ा रहा है। आकाशवाणी ने आपातकाल का दौर भी महसूस किया है। आकाशवाणी ने आजादी के बाद सबसे बड़े सांस्कृतिक आन्दोलन श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन का दौर भी देखा तथा उसका लाइव प्रसारण भी किया। आज देशवासी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य श्रीराम मन्दिर का दर्शन कर रहे हैं। इस रूप में आकाशवाणी की यात्रा बहुत लम्बी रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र से प्रत्येक माह जनता से संवाद का 01 घण्टे का कार्यक्रम करती हैं। ऐसे ही आकाशवाणी अनेक लोगों के लिए प्लेटफॉर्म का काम कर रहा है। आज के परिप्रेक्ष्य में कलाकारों, साहित्यकारों, युवाओं, किसानों, हस्तशिल्पियों सहित समाज के अलग–अलग तबकों

व इस व्यवस्था से जुड़े महानुभावों के बारे में आकाशवाणी की भूमिका नये दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़नी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि 88 वर्षों की शानदार यात्रा पूर्ण होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करने के लिए पद्म पुरस्कारों से अलंकृत उत्तर प्रदेश की विभूतियों तथा आकाशवाणी के संवर्धन में अपना योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने का कार्य किया गया है। आकाशवाणी लखनऊ और प्रसार भारती ने अपनी नींव के पत्थरों का स्मरण किया है। इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। इन सम्मानित विभूतियों का योगदान स्वयं के लिए नहीं, बल्कि देश व प्रदेश को आगे बढ़ाने तथा विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भी सम्मान है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में डॉ0 विद्या विन्दु सिंह का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। श्री ह्रदय नारायण दीक्षित एक अच्छे साहित्यकार तथा राजनेता के रूप में ख्यातिलब्ध हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ0 मंसूर हसन, के0जी0एम0यू0 की कुलपति प्रो0 सोनिया नित्यानन्द, एस0जी0पी0जी0आई0 के निदेशक डॉ0 आर0के0 धीमन, डॉ0 सुनील प्रधान तथा लोकगायन में श्रीमती मालिनी अवस्थी, रंगमंच के क्षेत्र में डॉ0 अनिल रस्तोगी, पर्वतारोही सुश्री अरुणिमा सिन्हा, जनपद बाराबंकी के प्रगतिशील किसान श्री रामसरन वर्मा सहित यहाँ सम्मानित अन्य विभूतियों ने विशिष्ट योगदान दिया है। इसके साथ ही आकाशवाणी के वरिष्ठ प्रसारक श्री गुलाब चन्द्र, श्री सुशील रॉबर्ट बनर्जी, श्री सतीश कुमार ग्रोवर, श्री यज्ञदेव पण्डित, श्री विजय कुमार बनर्जी, श्री रज्जन लाल, श्री नवनीत मिश्र, श्री हरीश सनवाल, श्री भोलानाथ, श्री केवल कुमार को इस कार्यक्रम में सम्मानित किया गया है।

प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री गौरव द्विवेदी तथा आकाशवाणी के महानिदेशक श्री राजीव जैन ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

ज्ञातव्य है कि आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में पद्म पुरस्कारों से अलंकृत श्री ह्रदय नारायण दीक्षित, डॉ0 विद्या विन्दु सिंह, डॉ0 मंसूर हसन, प्रो0 सोनिया नित्यानन्द, श्रीमती मालिनी अवस्थी, सुश्री अरुणिमा सिन्हा, डॉ0 राधा कृष्ण धीमन, डॉ0 अनिल रस्तोगी, श्री रामसरन वर्मा, डॉ0 सुनील प्रधान, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, डॉ0 एस0एस0 सरकार, डॉ0 के0के0 ठकराल, डॉ0 नवजीवन रस्तोगी, प्रो0 शादाब मोहम्मद, सुश्री सुधा सिंह को सम्मानित किया गया। साथ ही, कार्यक्रम में सम्मानित किए गए आकाशवाणी लखनऊ से जुड़े वरिष्ठ प्रसारकों में श्री गुलाब चन्द, श्री सुशील रॉबर्ट बनर्जी, श्री सतीश कुमार ग्रोवर, श्री यज्ञदेव पण्डित, श्री विजय कुमार बनर्जी, श्री रज्जन लाल, श्री नवनीत मिश्र, श्री हरीश सनवाल, श्री भोलानाथ, श्री केवल कुमार शामिल थे।

इस अवसर पर लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, आकाशवाणी लखनऊ की कार्यक्रम प्रमुख सुश्री सुमोना पाण्डेय, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी सहित शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Aakashvaani Lucknow 89th Foundation Day-02 April, 2026